सम्मेलन

दमोह में 10 करोड़ से वॉटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब व अन्य पर्यटन गतिविधियों का होगा विकास, तेंदूखेड़ा और हटा में बनाए जाएंगे नए स्टेडियम

नोहटा को बनाया जाएगा नगर परिषद, दमोह में 2 करोड़ रूपए से बनेगा गीता भवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नोहलेश्वर महोत्सव मेले पर किसान सम्मेलन में हुए शामिल

नवभारत,दमोह। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नोहलेश्वर महादेव की महिमा ऐसी है कि जो एक बार आता है, उसका मन बार-बार यहां आने को करता है। कृपावंत, कृपाशंकर भगवान नोहलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से हम प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव आस्था ही नहीं, स्थानीय संस्कृति,परम्परा और सामाजिक समरसता का भी उत्सव है। हमारी सरकार आस्था के स्थलों के संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शुक्रवार को दमोह जिले के जबेरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेले का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पहली बार श्रीकृष्ण जन्माष्ठमी और गीता जयंती को भव्यता के साथ मनाने की शुरुआत की। मध्यप्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जो विकास के साथ विरासत का भी संरक्षण कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नोहटा का नोहलेश्वर मंदिर 1100 साल से अधिक पुराना है, जिसे कलचुरी साम्राज्य में महारानी नोहला ने इसे बनवाया था। नोहलेश्वर महोत्सव के आयोजन से इस क्षेत्र के पर्यटन को नई ऊर्जा मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर चीतों के पुनर्स्थापन से नया चमत्कार हुआ है। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में विदेश से 20 चीता लाए गए थे, अब 35 चीते प्रदेश की धरती पर दौड़ लगा रहे हैं, चीतों का परिवार बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले मादा चीता आशा ने 5 शावकों को जन्म दिया है। इसी साल जून में नौरादेही अभ्यारण्य में चीतों को छोड़ा जाएगा। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश टाइगर, चीता, गिद्ध और घड़ियाल के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव पर्यटन को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने होम स्टे की योजना बनाई है। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और वे पर्यटकों को अपने घरों में होम स्टे बनाकर ठहरा सकेंगे। होम स्टे तैयार करने वाले हितग्राहियों को शासकीय अनुदान भी दिया जा रहा है। उन्होंने होम स्टे संचालनकर्ताओं से कहा कि जब पर्यटक आएं, तो उनकी अच्छी तरह मेहमान नवाज़ी करें। होम स्टे से ग्रामीणों की आय तेजी से बढ़ रही है। संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मध्यप्रदेश ने ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति करते हुए आज 26 हजार मेगावॉट से अधिक बिजली उपलब्धता सुनिश्चित किया है। मध्यप्रदेश में किसानों को ब्याज रहित ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैन ऑफआइडियाज हैं।उन्होंने अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने मुख्यमंत्री से नोहटा को नगर परिषद बनाने की मांग करते हुए कहा कि दमोह के तेंदुखेड़ा और हटा में नए स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्रीय युवाओं को नई खेल ऊर्जा मिलेगी।जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 100 करोड़ की लागत से जागेश्वर महादेव मंदिर के विकास कार्य की घोषणा की थी, जिसका काम अब भी जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नौरादेही अभ्यारण्य में चीते छोड़े हैं, जिससे क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान मिली है।किसान सम्मेलन में पशुपालन व डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, पूर्व मंत्री व दमोह विधायक जयंत मलैया, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक हटा श्रीमती उमा खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटैल, उपाध्यक्ष श्रीमती मंजु धर्मेन्द्र कटारे, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व मंत्री दशरथ सिंह लोधी,पूर्व विधायक सोनाबाई, पूर्व सांसद चन्द्रभान सिंह, वरिष्ठ नेता विद्यासागर पांडे,भावसिंह लोधी,आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर,पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, शिवचरण पटैल, गौरव पटैल, रूपेश सेन, सत्येन्द्र सिंह लोधी, नितेन्द्र सिंह लोधी, महेश पटैल, सत्यपाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, लाड़ली बहनें, युवा और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान बंधु उपस्थित थे।

किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर नोहटा को परीक्षण के उपरांत नगर परिषद बनाने की घोषणा की

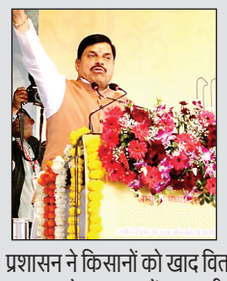

मुख्यमंत्री ने कहा कि दमोह में 2 करोड़ रूपए की लागत से गीता भवन का निर्माण किया जाएगा। दमोह जिले में बांदकपुर-सेमरखो जलाशय की क्षमता में वृद्धि कर 600 करोड़ रूपए की नई सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी।इससे जिले के 33 गांवों को भरपूर पानी मिलेगा। दमोह में 10 करोड़ रूपए की लागत से वॉटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेंदूखेड़ा और हटा में खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार दमोह के साथ-साथ पूरे बुंदेलखंड के विकास के लिए तत्पर है। यहां के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ की नई योजना को स्वीकृति दी गई है। दमोह के लिए नया फोर लेन भी मंजूर किया गया है। दमोह में पर्यटन के साथ-साथ उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सभी क्षेत्रों में समान रूप से प्रयास कर रही है। दमोह जिले में जैविक खेती के प्रोत्साहन के लिए जैविक हाट लगाए जा रहे हैं। अब तक जिले में 69 जैविक हाटों में 28 लाख रुपए के उत्पादों की बिक्री हुई है। जिला प्रशासन ने किसानों को खाद वितरण के लिए ई-टोकन की व्यवस्था की, यह अत्यंत सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप हमारे अन्नदाता हैं। आपकी खुशहाली और समृद्धि से ही देश खुशहाल बनेगा। हम खेती के साथ-साथ पशुपालन को भी प्रोत्साहन दे रहे हैं। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पशुपालन से दूध उत्पादन बढ़ेगा।हमने प्रदेश का दूध उत्पादन बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। हमारी सरकार पशुपालन, गौपालन और गौ-संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसी भी देश के साथ रिश्तों में किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं किया। खेतों में किसान और सीमा पर जवान,दोनों हमारे लिए बराबर सम्मान रखते हैं। राज्य सरकार किसानों के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रख रही है। विकास कार्यों को गति देने में हमारी सरकार सदैव जनता के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में माताओं-बहनों का स्थान सर्वोपरि है। हम अपने देश को भी माता का दर्जा देते हुए भारत माता कहकर सम्मान देते हैं। माताएं-बहनें हमारे परिवार की शोभा हैं। हमारी सरकार हमेशा लाड़ली बहनों के साथ खड़ी है। लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। वे अपनी मेहनत और निष्ठा से पूरे कुल, खानदान, परिवार का लालन-पालन करती हैं।मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि दमोह में औद्योगिक प्रक्षेत्र के विकास के साथ जरूरतमंद युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।सूखे खेत को पानी मिल जाए, तो फसल सोने जैसी हो जाती है।दमोह जिले को केन-बेतवा लिंक परियोजना से सिंचाई के लिए पानी मिलेगा।

दमोह में मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो रहा है

दमोह के लोकसभा सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि दमोह में मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो रहा है। बुंदेलखंड में सबसे बड़ी समस्या पानी की थी, जो अब दूर होती जा रही है। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना केन-बेतवा लिंक से दमोह जिले के 300 से अधिक गांवों को सिंचाई और पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के गरीब, किसान, युवा और नारी, हर वर्ग को सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

शहनाज अख्तर का किया अभिनंदन

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री शहनाज अख्तर का अभिनंदन भी किया।

मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से पहुंचे ग्राम देवरी हरदुआ हेलीपेड, जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को दमोह जिले के ग्राम नोहटा में आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव में शामिल होने हेलीकॉप्टर से ग्राम देवरी हरदुआ हेलीपेड पहुंचे।मुख्यमंत्री के आगमन पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास व धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी, पशुपालन व डेयरी विभाग के राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, दमोह सांसद राहुल सिंह,दमोह विधायक जयंत मलैया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर आयुक्त जनसंपर्क दीपक सक्सेना, कमिश्नर अनिल सुचारी, आईजी डॉ.हिमानी खन्ना,कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर व पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी,भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, सत्येन्द्र सिंह, नीतेन्द्र सिंह,वनमंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे, एएसपी सुजीत सिंह भदौरिया, प्रशांत सिंह सुमन, जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम सौरव गंधर्व,तहसीलदार सोनम पांडे, अटल वर्मा, राजेश साहू, एसडीओपी अर्चना अहीर, प्रिया सिंधी,भावना दांगी, थाना प्रभारी अभिषेक पटेल,डीएसपी सौरभ त्रिपाठी,यातायात दलबीर सिंह मार्को, एसडीओ वन एमडी मानिकपुरी सहित अधिकारी मौजूद रहे और समस्त विभागो के अधिकारियों और कर्मचारियों का विषेश योगदान रहा.

मुख्यमंत्री ने नोहलेश्वर मंदिर में भगवान नोहलेश्वर का पूजन किया

डॉ. मोहन यादव ने दुनय धाम सिंचाई परियोजना की घोषणा की

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जिले के ग्राम नोहटा में स्थित नोहलेश्वर मंदिर में भगवान नोहलेश्वर के दर्शन पूजन की और प्रदेश की खुशहाली के लिये कामना की। उन्होंने कल्चुरी काल के विरासत और वैभव की प्रदक्षिणा की।उन्होंने एएसआई द्वारा नोहलेश्वर मंदिर के पुराने चित्रों के अलबम का अवलोकन भी किया।

दमोह जिले के नोहटा में आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव व किसान सम्मेलन में पहुंचे मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पशुपालन व डेयरी विभाग के राज्यमंत्री लखन पटैल के आग्रह पर पथरिया विधानसभा के सिंचाई से वंचित गांवों के लिए दुनय धाम सिंचाई परियोजना की घोषणा की। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए राज्यमंत्री श्री पटैल ने मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व कोटि-कोटि धन्यवाद दिया। राज्यमंत्री श्री पटैल ने कहा यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी तथा कृषि उत्पादन व समृद्धि की दिशा में मजबूत कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री का पुन: आभार व्यक्त किया।

किसान सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री ने नोहलेश्वर मंदिर के दर्शन उपरांत किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग तथा संबद्ध विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उन्नत कृषि तकनीकी, एक जिला एक उत्पाद ,मशरूम उत्पादन, मछली पालन, ड्रिप सिंचाई, तालाब का 3 लेयर सिस्टम छात्रों द्वारा किए गए नवाचार, नवीन कृषि यंत्रों, जैविक पर्यटक ग्राम, जैविक हाट बाजार, परंपरागत कृषि यंत्र,पशुपालन, उद्यानिकी व महिला बाल विकास, पुलिस विभाग, वन विभाग की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

आज राज्यमंत्री पटेल का दौरा कार्यक्रम

नवभारत,दमोह। प्रदेश के पशुपालन व डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल 14 फरवरी, शनिवार को दमोह जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे सुबह 9:30 बजे दमोह कार्यालय में गणमान्य नागरिकों व आमजन से सौजन्य भेंट करेंगे। इसके पश्चात राज्यमंत्री श्री पटेल सुबह 11 बजे दमोह से ग्राम खोजखेड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे और 11:15 बजे ग्राम खोजखेड़ी पहुंचकर उप-स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण करेंगे। दोपहर 12:30 बजे आप ग्राम कुआं खेड़ा पहुंचकर सुंदरकांड पाठ व भंडारे में शामिल होंगे। इसके बाद अपराह्न 2:30 बजे ग्राम अजबधाम में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम उपरांत वे जै-जै सरकार के दर्शन व पूजन कर क्षेत्रीय भ्रमण करेंगे।

नवभारत,दमोह .सीएमएचओ के नेतृत्व में डॉ टीम ने शानदार भूमिका निभाई .

शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित

नोहटा के नोहेलेश्वर महोत्सव में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ. इसमें विशेष रूप से निरीक्षण सागर संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी और आईजी डॉक्टर हिमानी खन्ना ने मोर्चा संभाला.दमोह के ऊर्जावान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी, वन मंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे, जिला जनसंपर्क अधिकारी के अलावा विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग,कृषि विभाग, खाद्य आपूर्ति विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, समस्त राजस्व व प्रशासनिक, पुलिस, वन विभाग, ग्रामीण यांत्रिक विभाग, और भी समस्त विभाग के मुख्य अधिकारी सहयोगी और कर्मचारियों ने विशेष भूमिका निभाई,जिससे यह कार्यक्रम सफल हुआ.

एक नजर में

पं. अनिल शास्त्री ने दिया जीवन परिवर्तन का संदेश

नवभारत,हटा/दमोह . नगर हटा के दूल्हा भेष धारी देव श्री गौरीशंकर मंदिर पावन धाम में आयोजित अति रुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण व संगीतमयश्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धा,भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पं. डॉ. अनिल शास्त्री ने भगवान की दिव्य लीलाओं का मार्मिक व गूढ़ विवेचन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म,प्रेम और समर्पण का संदेश दिया। पंडाल में उपस्थित हजारों भक्त कथा श्रवण कर भावविभोर हो उठे। कथा का मुख्य प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं, पूतना वध, कालिय नाग दमन और गोवर्धन धारण रहा। शास्त्री ने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार और अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान विभिन्न रूपों में अवतरित होकर संतों की रक्षा और दुष्टों के विनाश का कार्य करते हैं।कृष्ण जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि कारागार की अंधेरी रात में जन्मा दिव्य प्रकाश इस बात का प्रतीक है कि जीवन में चाहे कितनी भी विपरीत परिस्थितियां क्यों न हों, ईश्वर का स्मरण हमें आशा और मार्गदर्शन देता है। गोवर्धन लीला से प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। गोवर्धन धारण प्रसंग का वर्णन करते हुए पं.डॉ.शास्त्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार को तोड़कर यह संदेश दिया कि प्रकृति की पूजा और संरक्षण ही सच्ची आराधना है। उन्होंने कहा कि आज के युग में पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही गोवर्धन पूजा का वास्तविक स्वरूप है।कथा में भक्त प्रहलाद चरित्र का उल्लेख करते हुए व्यास ने बताया कि सच्ची भक्ति परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती। जब आस्था दृढ़ होती है तो स्वयं भगवान भक्त की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में कितनी भी बाधाएं आएं, यदि मन में विश्वास और नाम-स्मरण है तो कोई भी शक्ति हमारा अहित नहीं कर सकती। शास्त्री ने कहा कि कथा केवल श्रवण नहीं, जीवन में धारण करने का विषय है, अपने चिंतन में पं. अनिल शास्त्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन जीने की दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है।

नोहलेश्वर महोत्सव | सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकात्मता का विराट मंच बना

अभिलिप्सा पांडा की शिव आराधना से भक्ति के सागर में सराबोर हुआ महोत्सव

नवभारत,दमोह। दमोह के ऐतिहासिक नोहटा में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन तथा महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव का सातवां दिवस भक्ति और उल्लास से ओतप्रोत रहा। सांध्यकालीन कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वय धर्मेंद्र सिंह लोधी, लखन पटेल, पनागर विधायक सुशील इंदू तिवारी व जबलपुर उत्तर विधानसभा के विधायक अभिलाष पांडे की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही संपूर्ण परिसर श्रद्धा,ऊर्जा और उत्साह से आलोकित हो उठा। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रहीं सुप्रसिद्ध भजन गायिका अभिलिप्सा पांडा,जिन्होंने अपनी ओजस्वी व भावपूर्ण प्रस्तुतियों से वातावरण को शिवमय बना दिया। उनके सुरों की मधुरता और भक्ति की गूंज ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया।कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव अब केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह क्षेत्रीय अस्मिता, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकात्मता का विराट मंच बन चुका है। उन्होंने आयोजन समिति की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे जन सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के सतत प्रयासों और दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षों से यह महोत्सव निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। यह आयोजन नोहटा सहित समूचे अंचल की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहा है। विधायक अभिलाष पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि नोहटा महोत्सव सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यह उत्सव न केवल आस्था का केंद्र है।सातवें दिवस का यह भव्य आयोजन जनसमुदाय की व्यापक सहभागिता, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और आध्यात्मिक वातावरण के कारण अविस्मरणीय बन गया।

समस्त आयोजकों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र वासियों को इस सफल, सुव्यवस्थित व ऐतिहासिक आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। कार्यक्रम का संचालन जुगल शर्मा, अमन जैन, राजीव अयाची ने किया।

जनसेवा की अनोखी मिसाल, जन्मदिन पर सेवा का संकल्प, रोहित जैन रिंकू ने लगाया रक्तदान शिविर, 105 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

नवभारत,दमोह। जिले के ग्राम बनवार में युवा समाजसेवी रोहित जैन ने अपने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए गुरुवार को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं रक्तदान कर युवाओं व को मानव सेवा का प्रेरक संदेश देकर जनसेवा की अनोखी मिसाल कायम की है। शिविर में बड़ी संख्या में युवा साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और जनकल्याण का वातावरण देखने को मिला।श्री जैन ने कहा रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। हमें समय- समय पर रक्तदान कर मानवता की सेवा करनी चाहिए।

दद्दा कला मंच पर हुआ विशाल हिंदू सम्मेलन, भारत माता की हुई महाआरती

नवभारत,हटा/दमोह. नगर हटा के देव श्री गौरीशंकर मंदिर परिसर में आयोजित अतिरुद्र महायज्ञ, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद भागवत कथा उपरांत रात्रि में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा दद्दा कला मंच पर हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां महायज्ञ आयोजन समिति महायज्ञ अध्यक्ष अनुराग वर्धन सिंह हजारी के नेतृत्व में उपस्थित अतिथियों का पगड़ी बंधन कर स्वागत किया गया। वही सरस्वती पूजन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर सम्मेलन प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रांत संघ चालक प्रदीप जी, यज्ञाचार्य पं.डॉ. मथुरा प्रसाद शुक्ल वाराणसी, संतोष दास जी महाराज सीतानगर शाला महंत, श्यामदास जी महाराज रामगोपाल जी महंत, महंत रामदास जी महाराज सहित अन्य अतिथियों द्वारा सम्मेलन में अपने अपने विचार व्यक्त किए गए। जहां मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रांत संघ चालक प्रदीप जी ने सम्मेलन को संबोधित कर कहा कि पूरे भारत वर्ष में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे है, सम्मेलन का आशय यह है कि हमें अपने हिन्दू होने के गौरव को पुन: प्राप्त करना है, कई प्रांतों और देशों के भूगर्भ में मूर्तियां निकल रही है, यह हमारे गौरव को दर्शाता है, हमारा हिंदू क्यों पीछे हो रहा है, इसका कारण जात पात में बंटे हुए होना है। आज के 400 वर्ष पूर्व जिन्होंने 200 वर्ष तक शासन किया, उन्होंने यह धारणा फैलाई कि भारत देश एक कमजोर देश है। जबकि पश्चिमी देश कहते थे कि सूर्य पृथ्वी का चक्कर लगाता है लेकिन भारत ने पहले कहा था कि पृथ्वी और सभी ग्रह सूर्य का चक्कर लगाते है।